मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

# (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

## केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 03 मई 2016

## जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

| मौसमीतत्व / दिनांक | 04/05/16 | 05/05/16 | 06/05/16 | 07/05/16 | 08/05/16 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मि.मी.) | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अधिकतमतापमान (°सेल्सियस) | 42 | 41 | 41 | 41 | 40 |
| न्यूनतमतापमान (°सेल्सियस) | 28 | 27 | 27 | 27 | 26 |
| बादलों कीस्थिति (ओक्टा) | 5 | 4 | 4 | 3 | 2 |
| सापेक्षिकआर्द्रता (प्रतिशत) सुबह | 48 | 42 | 40 | 38 | 36 |
| सापेक्षिकआर्द्रता (प्रतिशत) शाम | 26 | 24 | 24 | 22 | 20 |
| हवा की गति (कि.मी/घंटा) | 16 | 15 | 14 | 14 | 12 |
| हवा की दिशा | उत्तर–पश्चिम | उत्तर–पश्चिम | पश्चिम–उत्तर–पश्चिम | पश्चिम–उत्तर–पश्चिम | पश्चिम |

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्ष सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

| फसल | अवस्था | सलाह |
|---|---|---|
| जीरा | मृदा उपचार | जिन किसान भाईयों के पास सिंचाई की सुविधा है और आगामी रबी की फसल में जीरा लगाना चाहते है तो वह जीरे में लगने वाले उखटा रोग के उपचार के लिए तैयारी करें। जिस खेत में जीरा लगाना है उसमें सरसों की फलकटी 2.5 टन व 0.5 टन सरसों की खली प्रति हेक्टर का भुरकाव करके हेरो निकाल कर एक पानी तेज गर्मी के समय दें यह कार्य तापमान अधिक होने पर करें। ताकि फलकटी व खल के सड़ने से जो गैस निकले उससे उखटा रोग की फंफूद खत्म हो जाएं। |
| कपास | बुवाई | किसान भाई कपास की बुवाई के लिए खेत तैयार करें। देषी कपास आर.जी.–8, आर.जी–18, अमेरिकन कपास बीकानेरी नरमा, गंगानगर अगेती, आर.एस.टी–9, बी.टी कपास एम.आर.सी.एच–6304, एम.आर.सी.एच–6025 एंव एम.आर.सी.एच–314 की उन्नत किस्मों की बुवाई करें। देषी कपास की बुवाई के लिए 12–15 किलो, अमेरिकन कपास के लिए 15–16 किलो व बी.टी कपास के लिए 2–3 किलो बीज प्रति हैक्टेयर काम में लें। |
| पशु | | इस मौसम में पशुओं में जल व लवण की कमी, भूख कम होना एवं उत्पादन में कमी गर्मी के प्रमुख प्रभाव होते हैं। अतः पशुओं को अत्यधिक धूप व लू से बचाएं। |

(नौडल ऑफीसर)